

## खसरा और रूबेला

### प्रलम्बिस के लयि:

डब्ल्यूएचओ, जनमजात रूबेला सडिरोम, मशिन इंदरधनुष, खसरा-रूबेला टीकाकरण ।

### मेन्स के लयि:

खसरा और रूबेला, बच्चों से संबंघति मुददे, सरकारी नीतयिों और हसतकषेप ।

## चरचा में कयों?

भारत ने **खसरा और रूबेला (MR)** को वर्ष 2023 तक समाप्त करने का लक्ष्य नरिधारति कयिा था, जो वभिनिन कारणों से वर्ष 2020 की पूरव नरिधारति समय-सीमा के लक्ष्य को पूरापत नहीं कर सका था ।

- वर्ष 2019 में भारत ने वर्ष 2023 तक खसरा और रूबेला उन्मूलन का लक्ष्य नरिधारति कयिा था, यह अनुमान लगाते हुए कविर्ष 2020 तक लक्ष्य की पूरापतनीही की जा सकती है ।

## खसरा और रूबेला:

### खसरा :

- यह अत्यधिक संक्रामक वषिणुजनति रोग है और वैश्वकि स्तर पर छोटे बच्चों की मृत्यु का मुख्य कारण है ।
- यह 1 सीरोटाइप वाले सगिल स्ट्रेंडेड, आरएनए वायरस से घरि होने के कारण होता है ।इसे पैरामाइक्सोविरिडि (Paramyxoviridae) परिवार के जीनस मोरबिलीवायरस (Morbillivirus) के सदस्य के रूप में वर्गीकृत कयिा गया है ।
- यह आरथकि रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के बच्चों के लयि वषिष रूप से खतरनाक है, कयोंकयिह कुपोषति और कम प्रतरिधक क्षमता वाले बच्चों पर हमला करता है ।
- यह अंधापन, इंसेफलाइटसि, दस्त, कान के संक्रमण और नमोनयिा सहति गंभीर जटलिताओं का कारण हो सकता है ।

### रूबेला:

- इसे जर्मन मीज़लस भी कहते हैं ।
- रूबेला एक संक्रामक, आमतौर पर हल्का वायरल संक्रमण है जो अक्सर बच्चों और युवा वयस्कों में होता है ।
- यह रूबेला वायरस के कारण होता है जो सगिल स्ट्रेंडेड आरएनए वायरस से घरिा होता है ।
- गर्भवती महिलाओं में रूबेला संक्रमण मृत्यु या जनमजात दोषों का कारण बन सकता है जसि जनमजात रूबेला सडिरोम (CRS) कहा जाता है जो अपरविरतनीय जनम दोषों का कारण बनता है ।
  - रूबेला खसरे के समान नहीं है, कतिु दोनों बीमारयिों के कुछ संकेत और लक्षण समान हैं, जैसे कलिल चकत्ते ।
  - रूबेला खसरे की तुलना में एक अलग वायरस के कारण होता है और रूबेला संक्रामक या खसरा जतिना गंभीर नहीं होता है ।

## खसरा और रूबेला का वैश्वकि एवं भारतीय परदिश्य:

- वषिषि सवास्थय संगठन के अनुसार, खसरा वायरस वषिषि के सबसे संक्रामक मानव वषिणुओं में से एक है, जसि कारण प्रतरिवरिष 1,00,000 से अधिक बच्चों की मौत होती है । रूबेला जनम संबंघी वकिार है और इसे वैक्सीन की मदद से रोका जा सकता है ।
- WHO के आँकड़ों के अनुसार, पछिले दो दशकों में टीके की अनुपलब्धता के कारण हुई वैश्वकि स्तर पर 30 मिलियन से अधिक मौतों को टाला जा सकता था ।
- वर्ष 2010-2013 के दौरान भारत ने 14 राज्यों में 9 महीने से 10 वर्ष की आयु के बच्चों के लयि चरणबद्ध खसरा टीकाकरण का आयोजन कयिा, जसिमें लगभग 119 मिलियन बच्चों का टीकाकरण कयिा गया ।
- मशिन इंदरधनुष को वर्ष 2014 में गैर-टीकाकरण आबादी के टीकाकरण करने के लयि लॉन्च कयिा गया था ।
- भारत ने वर्ष 2017-2021 के दौरान खसरा और रूबेला उन्मूलन के लयि एक राष्ट्रीय रणनीतिक योजना को अपनाया ।

- इसी अवधि के दौरान सरकार ने रूबेला युक्त टीके (Rubella-Containing Vaccine- RCV) को नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया।
- दिसंबर 2021 तक भूटान, DPR कोरिया, मालदीव, श्रीलंका और तमोर-लेस्ते में खसरे को समाप्त करने की पुष्टि की गई है। मालदीव तथा श्रीलंका ने भी वर्ष 2021 में रूबेला को खत्म करने वाले देशों के रूप में अपनी स्थिति बिना रखी है।

## खसरा और रूबेला की रोकथाम के उपाय:

- **खसरा-रूबेला टीकाकरण:** इस अभियान का लक्ष्य देश भर में लगभग 41 करोड़ बच्चों का टीकाकरण करना है और यह अब तक का सबसे बड़ा अभियान है।
  - 9 महीने से लेकर 15 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को उनके पछिले खसरा/रूबेला टीकाकरण की स्थिति या खसरा/रूबेला रोग की स्थिति के बावजूद एक MR टीका लगाया जाता है।
- अन्य पहलों में **सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम** (Universal Immunization Programme- UIP), **मशिन इंद्रधनुष** और **सघन मशिन इंद्रधनुष** शामिल हैं।
- इन बीमारियों के लिये टीके **खसरा-रूबेला (MR)**, **खसरा-कण्ठमाला-रूबेला (MMR)** अथवा **खसरा-कण्ठमाला-रूबेला-वैरसैला (MMRV)** संयोजन के रूप में प्रदान किये जाते हैं।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न

### प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. एडेनोवायरस में सगिल-स्ट्रैंडेड डीएनए जीनोम होते हैं, जबकि रेट्रोवायरस में डबल-स्ट्रैंडेड डीएनए जीनोम होते हैं।
2. सामान्य सर्दी कभी-कभी एडेनोवायरस के कारण होती है, जबकि एड्स रेट्रोवायरस के कारण होता है।

### उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

### उत्तर: (b)

### व्याख्या:

- मानव को संक्रमित करने वाले वायरस को एडेनोवायरस और रेट्रोवायरस के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।
- एडेनोवायरस एक प्रकार का वायरस है जिसमें कोई आवरण/झिल्ली नहीं पाई जाती है, जबकि रेट्रोवायरस में आवरण उपस्थित होता है। एडेनोवायरस में डबल-स्ट्रैंडेड रैखिक डीएनए होता है और ये दो प्रमुख कोर प्रोटीन से जुड़े होते हैं। रेट्रोवायरस एक ऐसा वायरस है जो आरएनए को अपनी आनुवंशिक सामग्री के रूप में उपयोग करता है। जब रेट्रोवायरस किसी कोशिका को संक्रमित करता है, तो यह अपने जीनोम की एक डीएनए प्रतिलिपि बनाता है जिसे मेज़बान कोशिका के डीएनए के साथ मिलाया जाता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- एडेनोवायरस आम वायरस हैं जो कई तरह की बीमारियों का कारण बनते हैं। वे सर्दी जैसे लक्षण, बुखार, गले में खराश, ब्रोंकाइटिस, नमोनिया, दस्त और गुलाबी आँख (नेत्रश्लेष्मलाशोथ) पैदा कर सकते हैं। जबकि रेट्रोवायरस कई मानव रोगों जैसे- कैंसर एवं एड्स के कुछ रूपों का कारण बन सकते हैं। **अतः कथन 2 सही है।**

अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

### प्रश्न. भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया 'मशिन इंद्रधनुष' किससे संबंधित है? (2016)

- (a) बच्चों और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण
- (b) देश भर में स्मार्ट शहरों का निर्माण
- (c) बाह्य अंतरिक्ष में पृथ्वी जैसे ग्रहों के लिये भारत की अपनी खोज
- (d) नई शिक्षा नीति

### उत्तर: (a)

## स्रोत: द हिंदू

